1 मैं भारत माता हूँ

कविता

प्रस्तावना भारत का हृदय गाँवों में बसता है तथा भारत के किसान में ही भारत की आत्मा निवास करती है। जब खेतों में फसलें दौलत के रूप में लहलहाती हैं तो मन को अपार प्रसन्नता का अनुभव होता है।

प्रतिबिंब इस कविता में भारत माता ने स्वयं को सुविवेकी कहा है क्योंकि वह कठिन से कठिन संकटों में भी मार्ग निकालना जानती है तथा अपनी संतानों को भी गौरव तथा धैर्य का पाठ पढ़ाती हैं।

परिकल्पना भारत ने अनपढ़ पत्थरों को भी सुन्दर-सजीव मूर्तियों में ढाल दिया है। इस प्रकार अपने हृदय में व्याप्त प्रेम व बंधुत्व की भावना को सम्पूर्ण विश्व में बाँट दिया है।

चाँद-तारों-सी सहज कांति
नदियों में है मुस्कान भरी,
है पवन-झरोकों में दुलार
खेतों में हैं दौलत बिखरी,
पग-पग मेरा विश्वास भरा,
तप से है यह जीवन निखरा
प्रखर कर्म का पाठ सतत् पढ़ती
मैं भारत माता हूँ॥
मैं वज्र-सदृश विपदाओं
को भी अनायास सह लेती हूँ।
सुधा-दान कर औरों को,
मैं विष पीकर मुस्काती हूँ।
धीरज का पाठ पढ़ाती हूँ,
गौरव का मार्ग दिखाती हूँ।
मैं सहज बोध, मैं सहज शक्ति-
सुविवेकी भारत माता हूँ॥
मूर्तियाँ बना डाली सजीव,
अनपढ़ पत्थर को काट-काट
बंधुता-प्रेम को फैलाया,
अपना ही अंतर बाँट-बाँट
जिसके गीतों से जगत मुग्ध,
जिसके नृत्यों पर जगत मुग्ध,
जिसकी कविता-धरा अविरल-
बहती वह भारत माता हूँ॥

शिक्षण संकेत – कक्षा में बच्चों को अपने देश से प्रेम करने की प्रेरणा दें और बताएँ कि जननी और जन्म-भूमि को स्वर्ग से भी महान क्यों कहा जाता है।

पढ़िए और लिखिए – प्रखर, वज्र-सदृश, बंधुता, मुग्ध, सुविवेकी, अविरल

शब्दार्थ :– **कांति** – शोभा, चमक (grace), **प्रखर** – उजला (clean), **सतत्** – बराबर (equal), **वज्र-सदृश** – वज्र के समान (similar of thunder bolt), **सुधा-दान** – अमृत का दान (gift of nectar), **सुविवेकी** – विवेकपूर्ण (judicious), **अनपढ़** – अक्खड़, निरक्षर, गँवार (illiterate), **बंधुता-प्रेम** – भाईप्रेम (brother's love), **मुग्ध** – मोहित (impress), **अविरल** – लगातार (continuous).

वर्तनी वैभिन्य – संतान - सन्तान, सुंदर - सुन्दर, बंधुत्व - बन्धुत्व, कांति - कान्ति, अंतर - अन्तर।

अभ्यास-प्रश्न

रचनात्मक मूल्यांकन

क सोचिए और बताइए –

1. खेतों में क्या बिखरी है?
2. भारतमाता क्या पीकर मुसकाती है?
3. भारतमाता का पग-पग किससे भरा हुआ है?
4. भारतमाता ने कैसी विपदाओं को अनायास ही सहने की बात कही है?

संकलित मूल्यांकन

ख दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–

1. भारतमाता ने स्वयं को सुविवेकी क्यों कहा है?
2. भारत का हृदय किस रूप में बँटा हुआ है ?
3. भारतीय कलाकारों की कौन-कौन-सी विशेषताएँ उभरकर सामने आई हैं?

बहु विकल्पीय प्रश्न

ग सही उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए –

1. धीरज का पढ़ाया जाता है –
   (अ) सीख ◯ (ब) पाठ ◯ (स) कविता ◯ (द) इनमें से कोई नहीं ◯
2. मूर्तियाँ किसको काट-काट कर बनाई गई हैं?
   (अ) मोम ◯ (ब) पत्थर ◯ (स) मिट्टी ◯ (द) इनमें से कोई नहीं ◯
3. भारतमाता का यह जीवन किससे निखरा है?
   (अ) तप से ◯ (ब) योग से ◯ (स) हवन से ◯ (द) भजन से ◯
4. यह जगत कलाकारों के कौन-से गुणों पर मोहित है–
   (अ) नृत्यों पर ◯ (ब) गीतों पर ◯ (स) दोनों पर ◯ (द) इनमें से कोई नहीं ◯
5. भारतमाता औरों को क्या दान देती है ?
   (अ) अमृत ◯ (ब) विष ◯ (स) शहद ◯ (द) मिठास ◯

अभ्यास-प्रश्न

रचनात्मक मूल्यांकन

क सोचो और बताओ–

1. प्यार से किसे भरा जा सकता है?
2. तीसरे पद्यांश में कवि किसको उठाने की बात कह रहा है ?
3. गलत राह पर जाने वाले व्यक्ति को सही राह पर कैसे लाया जा सकता है ?
4. दुस्साहसी व्यक्ति भी प्रेमपूर्ण व्यवहार के आगे क्यों झुक जाते हैं ?

संकलित मूल्यांकन

ख दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–

1. हृदय का स्नेह किस-किस पर उड़ेला जा सकता है ?
2. कविता के आधार पर बताइए कि स्नेह युक्त शब्दों की शक्ति कठोर वचनों से अधिक प्रभावी होती है।
3. कवि करुणाकर और भिखमंगे की शपथ लेने को क्यों कह रहा है?

बहु विकल्पीय प्रश्न

ग सही उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए –

1. 'गिरे हुए को उठाना' वाक्य के लिए कवि ने किस शब्द का प्रयोग किया है।
   (अ) न्यारा जतन ◯ (ब) प्यारा जतन ◯ (स) गहरा जतन ◯ (द) इनमें से कोई नहीं ◯
2. प्यार भरी आँखों से देखने मे दुस्साहस कैसे होते हैं?
   (अ) पीले ◯ (ब) नीले ◯ (स) काले ◯ (द) हरे ◯
3. कवि मनुष्य को किसी से क्या नहीं करने को कह रहा है : -
   (अ) सख्त बात ◯ (ब) मीठी बात ◯ (स) निंदा ◯ (द) झूठी बात ◯
4. भिखमंगा स्नेह की क्या माँग रहा है ?
   (अ) मदद ◯ (ब) भीख ◯ (स) ज्ञान ◯ (द) इनमें से कोई नहीं ◯
5. गलत राह पर चलने वाले व्यक्ति को सही राह पर कैसे लाया जा सकता है ?
   (अ) प्यार से समझाकर ◯ (ब) डाँटकर ◯ (स) दंड देकर ◯ (द) इनमें से कोई नहीं ◯

घ आशय स्पष्ट कीजिए –

1. 'यश पर धूल पड़ना'
2. 'कितने भी गहरे रहें गर्त'
3. 'हर जगह पर प्यार जा सकता है।'

ङ चरित्र-चित्रण

1. कविता के सारांश को पाँच वाक्यों में लिखिए –